



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 83]
No. 83]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 4, 1993/वैशाख 14, 1915

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 4, 1993/VAISAKHA 14, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

परिशिष्ट

सार्वजनिक सूचना सं. 1-पी. आर./एन. पी./93

हकदारी प्रमाण-पत्र जारी करने के वास्ते मार्ग निर्देश

नई दिल्ली, 4 मई, 1993

1. परिभ्राष्टा

फा. सं. 2/8/92—एम. यू. सी.—अप्रैल, 1992—
मार्च, 1997 को निर्यात आयात नीति से सम्बद्ध वाणिज्यिक,
मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना 118 (पी. एन.)/ 92—97
दिनांक 31 मार्च, 1993 तथा समय-समय पर संशोधित,
अखबारी कागज नियन्त्रण आदेश, 1962 के अनुसार भारत
सरकार, सूचना और प्रसारण मंत्रालय एतद्वारा अनुलम्बक
में दिए अनुसार लाइसेंसिंग वर्ष अप्रैल, 1993—मार्च, 1994
के लिए नियत स्वदेशी अखबारी कागज मिलों से अखबारी
कागज के आयात और खरीद के लिए समाचार पत्रों को
हकदारी प्रमाणपत्र जारी करने के लिए मार्ग निर्देश अधि-
सूचित करती है।

1. 1 इस नीति में समय-संबंध पर यथा संशोधित प्रेस
और पुस्तक पंजीकरण, अधिनियम, 1867 में यथा परिभाषित
'समाचार पत्र' का अर्थ ऐसी कोई भी मुद्रित नियतकालिक
कृति होगा जिसमें सार्वजनिक समाचार या सार्वजनिक समा-
चारों पर टिप्पणियां छपती हैं।

1. 2 जहां देशों अखबारी कागज से अभिनाश देश में
अखबारी कागज का निर्माण करने वालों मिलों द्वारा उत्पादित
अखबारी कागज से है, जैसा कि समय-समय पर संशोधित
अखबारी कागज आदेश, 1962 को प्रत्युत्तों में बताया गया
है वहां आयातित अखबारी कागज से अभिनाश सौमा शुल्क
ट्रैक्ट 1992-93 के अध्याय 48 में दी गई परिभाषा से
है।

एस. लक्ष्मीनारायण, संयुक्त सचिव

2. पात्रता:

2.1 हर प्रकार से पूर्ण औषधारिक आवेदन प्रस्तुत तर्जे पर भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा अखबारी कागज का आवंटन उन समाचार पत्रों, नियतकालिक पत्रों द्वारा किया जाएगा जो समय-समय पर यथा संशोधित प्रेस और दृष्टक पंजीकरण अधिनियम, 1867 के संगत उपर्युक्तों के अनुमार मारत के समाचार-पत्रों के पंजीयक के कार्यालय में पंजीकृत हो चुके हैं।

2.2 कोई समाचार पत्र अखबारी कागज के आवंटन के लिए उभी पात्र होगा जब दैनिक, द्विसाप्ताहिक या त्रिसप्ताह समाचार पत्र के मामले में उसकी नियमितता 90 प्रतिशत और अन्य आवधिकता के मामले में 66. 2/3 प्रतिशत होगी सिवाय उन मामलों के जिनमें नियमितता की गिरावट प्रकाशक के नियंत्रण से बाहर के कारणों से अर्थात् हड्डताल, तालाबंदी, काम धीरे करना, बिजली की कमी या इसी प्रकार के कारणों से आई हो।

2.3 प्रकाशनों की निम्नलिखित श्रेणियां चाहे वह भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के कार्यालय में समाचार-पत्रों के रूप में पंजीकृत हों, इस नीति के अखबारी अवनार्गी कागज के आवंटन के लिए पात्र नहीं होगी:—

- (1) मुख्यतः वस्तुओं अथवा सेवाओं से विक्री को बढ़ावा देने के लिए प्रकाशित पत्रिकाएं
- (2) उपकरण/कर्म/औद्योगिक प्रतिष्ठानों द्वारा प्रकाशित की जाने वाली गृह पत्रिकाएं/मैगजीन।
- (3) मूल्य सूचियां, सूचीपत्र, निर्देशिकाएं, तथा लाटरी समाचार,
- (4) दौड़ गाइड्स और
- (5) सैक्स मैगजीन।

3. हकदारी

3.1 किसी समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र के लाइसेंसिंग वर्ष 1993-94 के लिए अखबारी कागज की मूल हकदारी का निर्धारण उसके पिछले वर्ष के दौरान अखबारी कागज तथा और किसी कागज की खपत, औसत वार्षिक प्रसार संख्या औक्त व्रकाशन दिवसों की संख्या तथा प्रकाशित औसत प्रथम क्षेत्र के आधार पर किया जाएगा।

3.2 वे समाचार-पत्र जिनकी वार्षिक हकदारी भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा 200 मीट्रिक टन मानक अखबारी कागज से अधिक निर्धारित की गई है, इस शर्त पर उनके द्वारा खरीदे गए देशी अखबारी कागज के प्रत्येक दो मीट्रिक टन पर एक मीट्रिक टन मानक अखबारी कागज का आयात करने के पात्र होंगे।

3.3 जिन समाचारपत्रों की हकदारी भारत के समाचार-पत्रों के पंजीयक द्वारा 200 मीट्रिक टन से कम तथा की गई है, उन्हें स्टैंडर्ड अखबारी कागज को आयात करने के लिए

वार्षिक हकदारी प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा, जिसमें उस समाचारपत्र द्वारा आयात किए जाने वाले स्टैंडर्ड अखबारी कागज की अधिकतम मात्रा को एक या अधिक किसी में आयात करने की मात्रा निर्धारित की गई होगी।

3.4 समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र के सभी संस्करणों को, जिनका यही नाम हो, आवधिकता हो, उसी भवा में प्रकाशित होते हो और उनका स्वाप्ती वही हो अथवा उनी जगह से या भिन्न-भिन्न जगहों से प्रकाशित हो, एक साथ विद्या जाएगा और उनकी श्रेणी तथा अखबारी कागज की हकदारी का हिसाब सभी संस्करणों को एक साथ बिज्ञा कर निष्पादन विवरण के आधार पर लगाया जाएगा।

3.5 भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा जिस समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र की प्रसार संख्या का दावा अप्रभागित घोषित कर दिया गया है, वह अखबारी कागज के लिए तब तक पात्र नहीं होगा जब तक उसकी प्रसार संख्या उसी वर्ष में या अनुकर्ती वर्ष के लिए पुनः सिद्ध न हो जाए चाहे समाचार पत्र के स्तर में किसी प्रकार का परिवर्तन हो क्यों न हुआ हो। उन समाचार पत्रों/नियतकालिक पत्रों के मामले में, जिनकी प्रसार संख्या भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक ने पहले दावा को गई प्रसार संख्या से कम निर्धारित की है उनकी हकदारी भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा निर्धारित प्रसार संख्या के आधार पर निकाली जाएगी ऐसे समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र आंकी गई प्रसार संख्या के आधार पर अखबारों कागज पाते रहेंगे और लाइसेंसिंग वर्ष अथवा बाद के वर्षों के दौरान संशोधन के हकदार नहीं होंगे जब तक कि प्रसार का दावा पूरी तरह स्वीकार नहीं कर दिया जाता। उस समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र के मामले में जिसके बारे में यह पाया जाता है कि उसने अपने निष्पादन अथवा प्रसार संख्या का असत्य विवरण दिया है उसे विशिष्ट अवधि जो एक वर्ष तक हो सकती है के लिए नीचे दर्शाए गए तरीके से अखबारी कागज के आवंटन से वंचित किया जा सकेगा।

अत्युक्ति

के लिए वंचित

(1) 10 प्रतिशत तक	छट
- (2) 10 प्रतिशत से अधिक एवं 25 प्रतिशत तक	तात्र महान
(3) 25 प्रतिशत से अधिक एवं 50 प्रतिशत तक	छ: महीने
(4) 50 प्रतिशत से अधिक एवं 75 प्रतिशत तक	नौ महीने
(5) 75 प्रतिशत से अधिक	एक वर्ष

3. 6(क) ऐसा समाचारपत्र/नियत कार्यक पत्र जो गत वर्ष अखबारी कागज के आवंटन के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत करने में अथवा अर्हता प्राप्त करने में असफल रहा हो उसे नया आवेदक समझा जाएगा । उसे 1993-94 के दौरान केवल देशी अखबारी कागज ही दिया जाएगा जब तक कि असफलता के कारण प्रकाशक के नियंत्रण के बाहर न हों ।

3. 6(ख) यदि समाचार पत्र/नियतकार्यक पत्र अपनी आवधिकता में परिवर्तन करता है तो ऐसे एक वर्ष के नियमित प्रकाशन के बाद अखबारी कागज आवंटित किया जाएगा और 1993-94 के दौरान केवल स्वदेशी अखबारी कागज दिया जाएगा ।

3. 6(ग) जो समाचारपत्र पहली बार अखबारी कागज के आवंटन के लिए आवेदन कर रहा है, वह भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के कार्यालय में हर प्रकार से पूर्ण आवेदन पत्र प्राप्त होने की तारीख से देशी अखबारी कागज प्राप्त करने का हकदार होगा ।

3. 7 केवल नियमित नियतकार्यक पत्रों को जिन्हें बहुरंगी छपाई की आवश्यकता होती है 1993-94 के दौरान रेजिड अखबारों कागज का आयात करने के लिए, वार्षिक हकदारी प्रमाण-पत्र जारी किए जाएंगे । वे वास्तविक उपभोक्ता की तरह अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किसी भी मात्रा में अखबारी कागज का आयात कर सकेंगे । नये आवेदकों पर समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा गुण-दोषों के आधार पर विचार किया जाएगा ।

3. 8 समाचारपत्र की प्रसार संख्या का निर्धारण (क) विक्री प्रतियों की संख्या और (ख) निःशुल्क वितरित प्रतियों की संख्या बिना बिक्री लौटाई गई प्रतियों की संख्या को ध्यान में रखकर निम्नलिखित मानकों के आधार पर किया जाएगा :—

प्रसार संख्या	उपर्युक्त (ख) के अन्तर्गत अनुभूत प्रतियों
(प्रति प्रकाशन दिवस बिक्री हुई प्रतियां)	(जो भी कम है)
25,000 प्रतियों तक	5 प्रतिशत या 1,000 प्रतियां
25,000 से अधिक और 75,000 प्रतियों तक	5 प्रतिशत या 2,500 प्रतियां
75,000 प्रतियों से अधिक	5 प्रतिशत या 5,000 प्रतियां

3. 9 यदि किसी समाचार-पत्र/नियतकार्यक-पत्र स्थापना ने किसी भी पिछले वर्ष के दौरान अपने को आवंटित अखबारी कागज की किसी मात्रा का उपयोग नहीं किया है तो अप्रयुक्त मात्रा को उसको 1993-94 को हकदारी में से काट दिया जाएगा ।

3. 10 समाचारपत्रों को छीजन को क्षतिपूर्ति के रूप में निम्नलिखित सीमा तक अतिरिक्त अखबारी कागज दिया जाएगा :—

सभी समाचारपत्रों के लिए	7 प्रतिशत
बहुरंगी मुद्रण वाली पत्रिकाएं	1 प्रतिशत अतिरिक्त
सिली दुए पत्रिकाएं	3 प्रतिशत अतिरिक्त

(काटांट के लिए)

3. 11 छीजन की क्षतिपूर्ति को मिलाकर अखबारी कागज के लिए समाचार-पत्रों की मूल वार्षिक हकदारी 1993-94 के लिए 50 ग्राम प्रति वर्ग मोटर के आधार पर निकाली जाएगी । अखबारी कागज ग्रामों अनुरूप अनुपातिक समायोजन के बाद ही सही रूप से जारी किया जाएगा ।

4. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया

4. 1 निर्धारित स्वदेशी अखबारी कागज मिलों से आयात और खरीद हेतु हकदारी प्रमाण-पत्र का आवेदन समाचारपत्र के प्रकाशन के द्वारा दिया जाएगा जिस भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक, पश्चिमी खण्ड-8, स्कंध-2 रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-66 को संबोधित किया जाएगा ।

4. 2 स्टैंडर्ड अखबारी कागज की 200 मीट्रिक टन से अधिक वार्षिक हकदारी रखने वाले समाचारपत्रों के मामले में आवेदन-पत्र के साथ (अ) वर्ष 1992-93 के दौरान निर्धारित स्वदेशी अखबारी कागज मिलों से खरीद तथा आयात की गई मात्रा को तिमाही विवरण में चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा विधिवत प्रमाणित कराया जाए कि इसमें 2 : 1 नियम का पालन किया गया है तथा (ब) प्रेस तथा पुस्तक पंजीकरण अधिनियम के अन्तर्गत प्रत्येक प्रकाशक द्वारा यथा-अपेक्षित कैलेंडर वर्ष 1992 के लिए वार्षिक विवरण की प्रति (स) भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा यथा-अपेक्षित विभिन्न तारीखों के अयात अन्यथा समाचारपत्र आवधिक की तमाजा प्रतियों (द) चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा विधिवत प्रमाणित वर्ष 1992-93 के दौरान आयातित मात्रा के छमाही वार्षिक विवरण संलग्न होने चाहिए ।

4. 3 स्टैंडर्ड अखबारी कागज की 200 मीट्रिक टन तक की वार्षिक हकदारी रखने वाले समाचारपत्रों के मामले में हर प्रकाश से पूर्ण आवेदन पत्र के साथ (अ) चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित पिछले वर्ष (1-4-1992 से 31-3-1993 तक) के निष्पादन विवरण प्रमाण-पत्र (जहां प्रति प्रकाशन दिवस 2000 प्रतियों से अधिक औसत प्रसार है) के साथ-साथ अखबारी कागज आदि की खपत सहित आवश्यक कागजात, (ब) प्रेस तथा पुस्तक पंजीकरण अधिनियम के अन्तर्गत यथा-अपेक्षित कैलेंडर वर्ष 1992 के लिए वार्षिक विवरण की प्रति (स) भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा यथा-अपेक्षित विभिन्न तारीखों के अयात अन्यथा समाचारपत्र आवधिक की तमाजा प्रतियों (द) चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा विधिवत प्रमाणित वर्ष 1992-93 के दौरान आयातित मात्रा के छमाही वार्षिक विवरण संलग्न होने चाहिए ।

4. 4 खेड अखबारी कागज के लिए आवेदन पत्र के साथ (अ) प्रेस तथा पुस्तक पंजीकरण अधिनियम के अन्तर्गत यथा-अपेक्षित वार्षिक विवरण की प्रति (ब)

भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा यथाग्रपेक्षित विभिन्न तारीखों के अध्यात्मा अनुसार की नमूना प्रतियां (स) वर्ष 1992-93 के दौरान आयातित मात्रा का वार्षिक विवरण।

5. अन्तिम सारीख

5.1 भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में वर्ष 1993-94 के लिए हकदारी प्रमाणपत्र जारी करने के लिए नियमित समाचारपत्रों से आवेदनपत्रों के प्राप्त होने की अन्तिम तारीख 31 मई, 1993 है।

5.2-28 फरवरी, 1994 के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

5.3 उपर्युक्त पैरा में दी गई अन्तिम तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदनपत्र अस्वीकृत किए जा सकते हैं। तथापि, आवेदक द्वारा वैध कारण दिए जाने पर और दोहरी आवेदक के कारण न होने पर भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक गुणावंगुण के आधार पर प्रत्येक आवेदन पर विचार कर सकते हैं।

6. संस्करण

जिस समाचारपत्र को 1993-94 के लिए निर्दिष्ट भारत में अखबारी कागज की मूल हकदारी प्राप्त हो जाती है, वह अपनी बही हुई प्रसार संख्या उसी पृष्ठ संख्या के आधार पर अपनी हकदारी बढ़ावाने के लिए वर्ष में एक बार आवेदन कर सकता है बशर्ते कि ऐसे आवेदन के साथ किसी चार्टर्ड एकाउंटेंट का विविधत हस्ताक्षरित निष्पादन प्रमाणपत्र साथ लाया जाए और उसमें 30 नवम्बर, 1993 को कम से कम आठ महीने की अवधि को हिसाब में से लिया गया हो, ऐसे आवेदन भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में 31 दिसम्बर, 1993 तक प्रवर्श्य पहुंच जाने चाहिए। और उसके साथ विविध तारीखों के नमूना अंक भी होने चाहिए।

7. विवरण

7.1 200 मीट्रिक टन स्टैंडर्ड अखबारी कागज से अधिक की वार्षिक हकदारी वाले समाचारपत्र देशी अखबारी कागज की छारी और आयातित स्टैंडर्ड अखबारी कागज की मात्रा का छानी विवरण 30 सितम्बर, 1993 और 31 मार्च 1994 को समाप्त अवधि के लिए निर्दिष्ट प्रपत्र में सम्बद्ध अधिक के समात होने के 30 दिन के अंदर-प्रदर्शन भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को प्रस्तुत करेंगे और उसकी एक प्रति डी.जी.एफ.टी. (सी.टी.आई. एफ.टी.) को भेजेंगे। वह विवरण किसी चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा सत्य और सही रूप में प्रमाणित किया गया होना चाहिए। विवरणों में यह स्पष्ट रूप से दिखाया जाना चाहिए कि पिछले छः महीनों में देशी अखबारी कागज की विविध आयातित स्टैंडर्ड अखबारी कागज की मात्रा के दृग्मे से कम मही है।

7.2 200 मीट्रिक टन तक स्टैंडर्ड अखबारी कागज की वार्षिक हकदारी वाले समाचारपत्र उपर्युक्त पैरा 7.1 के अनुसार वार्षिक आधार पर अर्थात् 31 मार्च 1994 की स्थिति के अनुसार अपना विवरण प्रस्तुत करेंगे।

7.3 जिन नियमकालिक पत्रों के मामले में रलेंड अखबारी कागज का आयात करने के लिए हकदारी प्रमाणपत्र दिया गया है, उनके लिए पैरा 7.1 में उल्लिखित विवरण वार्षिक आधार पर अर्थात् 31 मार्च, 1994 की स्थिति के अनुसार आयातित और प्रयुक्त उलेंड अखबारी कागज का विवरण देते हुए प्रस्तुत किया जाएगा।

7.4 बिना पूर्वांग्रह से कोई कार्रवाई करते हुए समय पर विवरण प्रस्तुत न करने, यत्तें सूचना देने पर अथवा आयातित अखबारी कागज के अनविकृत प्रयोग पर सम्बद्ध समाचारपत्र की भविष्य में आयात हकदारी प्रमाणपत्र के अर्योग्य ढहरा दिया जाएगा।

8. अखबारी कागज का अप्राधिकृत प्रयोग

8.1 कोई समाचारपत्र अखबारी कागज न तो हस्तांतरित कर सकता है और न ही दूसरे समाचारपत्र से प्राप्त कर सकता है। तथापि, भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक अपने विवेक से अखबारी कागज को अधिक से अधिक तीन महीने की अवधि के लिए एक समाचारपत्र से दूसरे समाचारपत्रों को उधार के तौर पर हस्तांतरित करने की अनुमति दे सकते हैं बशर्ते कि हस्तांतरणकर्ता और हस्तांतरी भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक की ऐसे मामले की सूचना 30 दिन के अन्वर भेज दें।

8.2 पैरा 8.1 में किसी बात के होते हुए भी भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक की पूर्वानुमति के बिना अखबारी कागज न तो बेचा जाना चाहिए न उसे अन्तरित किया जाना चाहिए अथवा न ही उसका किसी अन्य प्रकार निपटान किया जाना चाहिए। अखबारी कागज का अनविकृत उपयोग अखबारी निपटान करने से सम्बद्ध समाचारपत्रों के भविष्य में आयात हकदारी प्रमाणपत्रों के अर्योग्य करार दे दिया जाएगा।

8.3 जिस समाचारपत्र का प्रकाशन निलम्बित या बदल हो जाता है वह प्रकाशन निलम्बन बन्द होने से एक महीने के भीतर निष्पादन व्यौरा प्रमाणपत्र भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को प्रस्तुत करेगा। वह अप्रयुक्त अखबारी कागज की आयातित समाचारपत्रों के पंजीयक के निवेशों के अनुसार बाफ्स करेगा।

9. अपेक्षाद

इस नीति में किसी बात के होते हुए भी, भारत सरकार का सूचना और प्रसारण यंत्रालय समुचित और अर्थात् कारणों से किसी भी अपेक्षा की छोड़ सकता है या इन में से किसी भी उपबन्ध में छील दे सकता है।

..... से तक की अवधि के लिए प्रभार आदि संबंधी नियादिन विवरण प्रमाण-पत्र का काम

1. समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र का नाम

- (1) आर.एन.आई. पंजीकरण सं.
- (2) प्रकाशक का नाम व पता
- (3) मालिक का नाम व पता

2. प्रकाशन का स्थान :

3. मुद्रण का स्थान :

4. भाषा :

5. आवधिकता (पीरियोडीसिटी)

6. आर.एन.आई. द्वारा प्रभार का निर्धारण

(क) निर्धारण वर्ष :

(ख) दावित प्रसार :

(ग) निर्धारित प्रसार :

(घ) निर्धारण तारीख :

7. मालिक के स्वामित्वाधीन अन्य समाचार पत्रों/नियतकालिक पत्रों के नाम ओर व्योरा ।

पत्र का शीर्षक	भाषा आवधिकता	प्रकाशन का स्थान	क्या मरकारी कागज सरकार के माध्यम से प्राप्त किया जाता है
1	2	3	4

1.

2.

3.

8. महीने के दौरान

अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सिं.	अक्टू.	नव.	दिस.	जन.	फर.	मार्च	अवधि का औसत
92	92	92	92	92	92	92	92	92	93	93	93	

(क) वास्तविक प्रकाशन दिवसों की संख्या :

(ख) प्रति प्रकाशन दिवस प्रकाशित प्रतियों की औसत संख्या :

(ग) प्रति प्रकाशन दिवस बेची गई प्रतियों की औसत संख्या :

(घ) प्रति प्रकाशन दिवस मुफ्त वितरित (मानार्थ बाउचर, बिनियम, बोनस, नमूना एवं कार्यालय प्रतियों सहित) की गई प्रतियों की औसत संख्या :

(ङ) बिना बिक्री वापिस की गई और अन्य मुद्रित प्रतियों की औसत संख्या जो (ख) और (घ) में शामिल नहीं की गई ।

(छ) प्रकाशित समाचार-पत्र/नियतकालिक पत्र का औसत आकार (वर्ग सें. मी. में)

(ज) प्रति अंक पृष्ठों की औसत संख्या :

(झ) प्रति प्रकाशित दिवस प्रकाशित पृष्ठों की औसत संख्या :

(ट) वर्ष के दौरान अखबारी कागज की कुल खपत (गी. टर्नों में)

1. देशी	
2. आयातित	भासक
3. सफेद प्रिंटिंग कागज	
4. आर.ई.पी.	

स्लोड

(ठ) 'टिप्पणी यदि कोई हो :—

प्रकाशक के हस्ताक्षर
स्पष्ट अक्षरों में नाम
दिनांक

चार्टर्ड एकाउंटेंट का प्रमाण-पत्र

मैंने/हमने उपर्युक्त अवधि के दौरान प्रकाशित सर्वश्री पत्र का नाम, भाषा और आवधिकता की पुस्तकों और लेखों की जांच कर ली है और मैंने/हमने अपेक्षित सभी जानकारी और विवरण प्राप्त कर लिया है। मेरे/हमारे विचार से उपर्युक्त अवधि के लिए दिया गया उपरोक्त विवरण मेरी/हमारी जानकारी एवं लेखा पुस्तकों के अनुसार प्रदत्त विवरण में प्रसार संख्या, पष्ठ संख्या, आकार और प्रकाशन दिवसों की संख्या का सत्य एवं सही विश्लेषण करता है।

हस्ताक्षर

चार्टर्ड एकाउंटेंट की मोहर

1. उस व्यक्ति की संख्या एवं नाम जिसने प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।
2. पंजीकरण संख्या
3. पता

नोट :— 1. यदि वर्ष के लिए औसत प्रसार संख्या 2000 प्रतियां प्रति प्रकाशन दिवस से अधिक हों तो प्रमाण-पत्र चार्टर्ड एकाउंटेंट के शीर्षक (लैटर हैड) पर टाइप होना चाहिए और उसके द्वारा किंवित प्रति हस्ताक्षरित होने चाहिए उनकी मोहर हीनी चाहिए।

2. सभी औसतें महीनेवार संबंधित मास के दौरान निष्पादन के ब्यौरे के आधार पर दी जाएं।

3. (ज) में दिए जाने वाले आंकड़े मास के दौरान प्रकाशित सभी अंकों के कुल पृष्ठों के जोड़ को उस मास के कुल प्रकाशन दिवसों की संख्या से भाग करके प्राप्त किए जा सकते हैं जबकि (ज) में दिए जाने वाले आंकड़ों का हिसाब इस प्रकार होगा :—

एक अंक के पृष्ठों की संख्या उसके अंक के कुल प्रकाशित प्रतियों की संख्या से गुणा करने से तत्संबंधी प्रकाशन दिवस को कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या निकल आएगी। महीने के सभी प्रकाशन दिवसों के कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या को जोड़ लेना चाहिए। मासिक औसत संख्या प्राप्त करने के लिए इस कुल संख्या को उस मास के कुल प्रकाशन दिवसों की कुल संख्या से भाग किया जाना चाहिए।

4. अधूरे आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

Public Notice No. 1-PR[NP]93

New Delhi, the 4th May, 1993

File No. 2/8/92-MUC.—In terms of Ministry of Commerce Public Notice No. 118(PN)-92—97 dated 31st March, 1993 relating to the Export-Import Policy for April 1992—March 1997 and the Newsprint Control Order, 1962, as amended from time to time, the Government of India in the Ministry of Information & Broadcasting hereby notify the Guidelines for the issue of Certificates of Entitlement to newspapers to import and purchase newsprint from the scheduled indigenous newsprint mills for the licensing year April 1993—March 1994 as given in the Annexure.

S. LAKSHMINARAYANAN, Jt. Secy.

ANNEXURE

Guidelines for issue of Certificate of Entitlement

1. Definition

1.1 A 'newspaper' shall mean any printed periodical work containing public news or comments on public news as defined in the Press and Registration of Books Act, 1867, as amended from time to time.

1.2 While 'indigenous newsprint' shall mean standard newsprint produced by the domestic newsprint mills mentioned in Schedule-I of the Newsprint Control Order, 1962, as amended from time to time, the definition of imported newsprint shall be taken as provided in Chapter 48 of the Customs Tariff—1993-94.

2. Eligibility

2.1 Newsprint entitlement certificates shall be issued by the Registrar of Newspapers for India, on submission of a formal application complete in all respects, to such newspapers/periodicals as have been registered with the RNI in accordance with the relevant provisions of the Press & Registration of Books Act, 1867, as amended from time to time.

2.2 A newspaper shall be eligible for newsprint if it has a regularity of 90% in the case of daily, bi-weekly or tri-weekly newspapers and 66-2/3 per cent in case it has weekly or lower periodicity, save in such cases where the shortfall in regularity has arisen because of reasons beyond the control of the publisher viz, strikes, lock-outs, go-slow, power shortage or similar causes.

2.3 The following categories of publications although these may be registered with the Registrar of Newspapers for India as newspapers, shall not be eligible for newsprint:—

- (i) Journals published primarily to promote sale of goods or services;

- (ii) House journals/magazines brought out by undertakings/firms/industrial concerns;
- (iii) Price lists, catalogues, Directories and Lottery news;
- (iv) Racing guides; and
- (v) Sex magazines

3. Entitlement

3.1 The basic entitlement of newsprint for the licensing year 1993-94 of a newspaper/periodical will be determined on the basis of its consumption of newsprint and any other paper, average annual circulation, average number of publishing days and average page area published during the preceding year.

3.2 In the case of those newspapers whose annual entitlement is determined by the Registrar of Newspapers for India to be more than 200 MT standard newsprint, the newspapers shall be allowed to import standard newsprint on the condition that for every two metric tonnes of indigenously produced newsprint purchased by them they will be entitled to import one metric tonne of standard newsprint.

3.3 In the case of those newspapers whose annual entitlement is determined by RNI less than 200 MT, annual entitlement certificates shall be issued for import of standard newsprint specifying the maximum quantity that a newspaper is entitled to import in one or more instalments.

3.4 All the editions of a newspaper/periodical bearing the same title, having the same periodicity, published in the same language and owned by the same owner either published from the same place or from different places would be clubbed together and their category and entitlement of newsprint will be calculated on the basis of performance particulars in respect of all the editions taken together.

3.5 A newspaper/periodical whose circulation claim has been declared unestablished by the Registrar of Newspapers for India will not be eligible for newsprint unless and until the circulation has been re-established for the same year or for a subsequent year irrespective of any change of the status of the newspaper. In case of a newspaper/periodical whose circulation has been assessed by the Registrar of Newspapers for India to be lower than the claimed circulation in the past, the entitlement will be worked out on the basis of the circulation as assessed by the Registrar of Newspapers for India. Such a newspaper/periodical will continue to get newsprint at the assessed circulation and will not be eligible for revision of its entitlement during the licensing or a subsequent year till the claim of circulation is accepted in full. In case a newspaper/periodical is found to have given a false statement about its performance or circulation it shall render itself liable for being debarred from allocation of newsprint for a specific period

which may extend upto one year in the manner indicated below:—

Exaggeration	Debarred for
Upto 10 per cent	Exempted
Above 10 per cent and upto 25 per cent	3 months
Above 25 per cent and upto 50 per cent	6 months
Above 50 per cent and upto 75 per cent	9 months
Above 75 per cent	One year

3.6.(a) A newspaper which failed to apply or qualify for the allocation of newsprint during the preceding year shall be considered as a fresh applicant and given only indigenous newsprint during 1993-94 unless such failure has been for reasons beyond the control of the publisher.

3.6.(b) In case a newspaper/periodical changes its periodicity, it will be treated as a fresh applicant and given only indigenous newsprint during 1993-94.

3.6.(c) A newspaper applying for allocation of newsprint for the first time will be entitled to get only indigenous newsprint from the date of receipt of its application in the office of the Registrar of Newspapers for India complete in all respects.

3.7 Only regular periodicals with multi-colour printing requirement shall be given annual entitlement certificate to import glazed newsprint during 1993-94. They may be allowed to import any quantity to meet their requirements as actual users. Fresh applicants will be considered by RNI on merit.

3.8 The circulation of a newspaper shall be determined by taking into account : (a) the number of copies sold (b) the number of copies distributed free or returned unsold as per the following norms :—

Circulation (sold copies per publishing daily)	Copies allowed under (b) above (whichever is less)
Upto 25,000 copies	5% or 1000 copies
Above 25,000 copies and upto 75,000 copies	5% or 2500 copies
Upto 75,000 copies and above 75,000 copies	5% or 5000 copies

3.9 If a newspaper/periodical establishment did not utilise any portion of newsprint allotted to it during any previous year, the unutilised quantity will be adjusted during the year 1993-94.

3.10 Extra newsprint upto the limits indicated below will be allowed to newspapers as wastage compensation:—

All newspapers

7%

Magazines with multi- colour
printing requirement Additional 1%

Stitched magazines (for trim-
ming) Additional 3%

3.11 The basic annual entitlement of a newspaper for newsprint inclusive of wastage compensation for 1993-94 will be worked out on the basis of 50 GSM. Actual release will be made after making proportionate adjustments as per the grammage of newsprint involved.

4. Procedure for submission of Applications :

4.1 Applications for entitlement certificates for import/purchase from the scheduled indigenous newsprint mills shall be made by the publisher of a newspaper and shall be addressed to the Registrar of Newspapers for India, West Block-8, Wing-2, R. K. Puram, New Delhi-110 066.

4.2 In case of newspapers having more than 200 MT of annual entitlement of standard newsprint, the application should be accompanied by (a) the quarterly returns indicating the quantity of import and purchase from the scheduled indigenous newsprint mills during 1992-93 duly certified by a Chartered Accountant to the effect that 2 : 1 formula has been complied with and (b) a copy of the Annual Statement for the calendar year as required to be submitted by each publisher under the PRB Act.

4.3 In the case of the newspapers whose annual entitlement is upto 200 MT of standard newsprint applications should be accompanied by (a) Performance Particulars certificate for the preceding year (i.e. 1-4-1992 to 31-3-1993) duly certified by a Chartered Accountant (where the average circulation is more than 2000 copies per publishing day) along with necessary documents indicating the consumption of newsprint etc. (b) a copy of the Annual Statement for the calendar year 1992 as required to be submitted under PRB Act complete in all respects (c) specimen issues of the newspaper/periodical of different dates or otherwise as required by the RNI and (d) the half yearly/annual returns indicating the quantity imported during 1992-93 duly certified by a Chartered Accountant.

4.4 Applications for glazed newsprint should be accompanied by a copy of the Annual Statement as required to be submitted under PRB Act (b) Specimen issues of different dates or otherwise as required by RNI and (c) the Annual Return indicating the quantity of import made during 1992-93.

5. Last Date

5.1 The last date of receipt of applications in the office of the RNI from regular newspapers for the issue of certificate of entitlement for 1993-94 is 31st May, 1993.

5.2 No application will be entertained after 28th February, 1994.

5.3 Applications received after the last dates mentioned above are liable to be rejected. However, if the applicant gives valid reasons and the delay is not attributable to the applicant, RNI may consider each request on merit.

6. Revision

6.1 A newspaper which secures the basic entitlement of a specified quantity of newsprint for 1993-94 can apply once during the year for upward revision of the entitlement on the basis of increase in its circulation and number of pages, provided such an application is accompanied by performance certificate duly signed by a Chartered Accountant and covers a period of not less than 8 months as on 30th November, 1993. Such applications should reach the office of the Registrar of Newspapers for India along with the samples of different dates by 31st December, 1993.

7. Returns

7.1 The newspapers having annual entitlement of more than 200 MT of standard newsprint shall submit half-yearly returns in respect of the purchase of indigenously produced newsprint and the quantity of standard newsprint imported to RNI in the prescribed form with a copy to DGFT (CCIE) for the periods ending 30th September, 1993 and 31st March, 1994 within 30 days of the close of the period concerned. The returns shall be certified to be true and correct by a Chartered Accountant. The returns should clearly show that the purchase of indigenously produced newsprint was not less than twice the quantity of Standard newsprint imported during the preceding six months.

7.2 The newspapers with an annual entitlement less than 200 MT of standard newsprint shall submit the returns as mentioned in para 7.1 above on annual basis i.e. as on 31st March, 1994.

7.3 In the case of periodicals given entitlement certificate for the import of glazed newsprint, the

Performance Particular Certificate Regarding Circulation etc., for the Period From.....to.....

1. Name of the Newspaper/Periodical

- (i) RNI Registration No.
- (ii) Name of the Publisher with address.
- (iii) Name of the owner with address.

2. Place of Publication

3. Place of printing

4. Language

5. Periodicity

6. Assessment of circulation by RNI

- (a) Year for which assessed
- (b) Claimed circulation
- (c) Assessed circulation
- (d) Date of assessment

(Please enclose a copy of RNI's assessment letter issued in this regard)

returns mentioned in para 7.1 above shall be required to be submitted on annual basis i.e. as on 31st March, 1994, giving details of the glazed newsprint imported and utilised.

7.4 Without prejudice to any other action that may be taken, failure to submit the returns in time or submission of false information or unauthorised use or disposal of imported newsprint shall disqualify the newspaper concerned for future entitlement certificates.

8. Unauthorised use of Newsprint :

8.1 No newspaper shall transfer newsprint to or receive from another newspaper. However, the Registrar of Newspapers for India, may, in his discretion allow such transfer of newsprint by one newspaper to another by way of loan for a period not exceeding three months provided the transferer and transferee give intimation to the RNI within 30 days thereof.

8.2 Notwithstanding anything contained in para 8.1 above, newsprint should not be sold, transferred or disposed of in any other manner by the newspapers except with the prior permission in writing of the RNI. Unauthorised use or disposal of newsprint shall disqualify the newspapers concerned for future import entitlement certificates.

8.3 A newspaper which suspends or ceases publication shall submit to the Registrar of Newspapers for India Performance Particulars Certificate within a month of suspension/cessation of its publication. It shall also surrender the newsprint not utilised by it as per directions of Registrar of Newspapers for India.

9. Exceptions :

The Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting may waive any of the requirements or relax any of these guidelines for good and sufficient reasons.

7. Name and particulars of the other newspapers/periodicals owned by the owner.

Title of the paper	Language & Periodicity	Place of publication	Whether gettin
			print through G
1	2	3	4
1.			
2.			
3.			

8. During the month of

Apr. 92	May 92	June 92	July 92	Aug. 92	Sept. 92	Oct. 92	Nov. 92	Dec. 92	Jan. 93	Feb. 93	March 93	Avera the pe

- (i) Actual Number of publishing days
- (ii) Average number of copies printed per publishing day
- (iii) Average number of copies sold per publishing day
- (iv) Average number of copies distributed free per publishing day (including complimentary, exchange bonus, sample (and office copies)
- (v) Average number of unsold returns and other copies printed but not included in (ii) and (iv)
- (vi) Average size of the newspaper/periodical publishing (in sq. cms.)
- (vii) Average number of pages per issue
- (viii) Average number of pages printed per publishing day.

9. Consumption of newsprint in MTs. 1992-93 :

1. Indigenous

Standard

Glazed.

2. Imported

3. WPP etc.

4. REP.

10. Remarks if any :—

Signature of the Publishers
Name in Block letters.

Date.

CERTIFICATE OF CHARTERED ACCOUNTANT

I/We have examined the books and accounts of M/s _____ name, language and periodicity of published for the period as mentioned above and have obtained all the information and explanation req me/us. In my/our opinion the statement set forth above reflects true and correct analysis for circulation page

number of publishing days for the period as mentioned above to the best of my/our information and belief and according to the explanation given to me/us by the books of account etc.

Date _____

Signature _____

Stamp of the Chartered Accountant.

1. Number and name of the person who has signed the certificate.

2. Registration No.

3. Address.

Note :

1. If the average circulation for the year is more than 2,000 copies per publishing day, the certificate should be typed on the letter head of the Chartered Accountant and every paper should be duly countersigned by him with the stamp of the Chartered Accountant.

2. All the averages have to be given monthwise on the basis of the particulars of performance during the relevant month.

3. The figures to be given against (vii) should be arrived at by adding the total number of pages of all the issues published during a month and dividing the total by the number of publishing days in that month, while the figures against (viii) should be worked out like this : The no. of pages of an issue multiplied by the total number of copies printed of that issue will give the information about the total no. of pages printed on the relevant publishing days. The total no. of pages printed on all the publishing days in a month should be added. The monthly average should be arrived at by dividing this total by total no. of days in that month.

4. Incomplete application is liable to be rejected.